SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: How much rise in the price do you want?

THE PRIME MINISTER (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): Sir, when we talk about the European model, the model that we have here is the right-hand drive model. It just will not sell in Europe. We have a model of the left-hand drive for the 800 CC Maruti cars and that is the model on which we have got very many orders already and we are executing those orders. So far as the 1000 CC is concerned, we do not have the model of left-hand drive, yet we will have to try for it and that will take some time.

MR. CHAIRMAN: Shrimati Satya Bahin...

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Sir, is it a fact that the price of Maruti 1000 CC is put up very high and because it is very high, there is no demand either in the domestic market or in the foreign market and the cost of Maruti-1000 is far less?

MR. CHAIRMAN: Shrimati Satya Bahin.

SOME HON. MEMBERS: Sir, he has asked a question and the Prime Minister has not given any reply...

MR. CHAIRMAN: What is there in it? Others have also put the same question. ... *(Interruptions)*... This cost question was put by many other Members. He asked the price, I understand it *baba.*

SHRI KAMAL MORARKA: Sir, you move to the next question. There is no use in repeating it.... *(Interruptions)*...

श्रीमती सत्या बहिन : सभापति महोदय, मारूति उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र में एक ऐसा ग्रोटोमोबाइल उद्योग है जिस पर हमारे पूरे देश को गर्व है और इसको सारा विश्व और भारत जानता है । इसकी आधारशिला संजय गांधी जी ने रखी थी । मैं कहना चाहती हूं कि श्री संजय गांधी का मारूति उद्योग में न तो कहीं नाम है, न चित्र है, न कहीं स्टेचू है । मैं पूछना चाहती हूं कि इनको लगाने की मंत्री जी व्यवस्था कर रह हैं कि नहीं कर रहे हैं

मान्यवर, इसके साथ ही जुड़ा मेरा एक प्रश्न यह है कि... (**व्यवधान**) सुन लीजिय... (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: She wants to knty when you are going to erect the statue.

श्रीमती सत्या बहिन : यह एक्सपोर्ट डिमांड से जुड़ा हुआ है कि... (**व्यवधान**)

SHRI P. K. THUNGON: Sir, I an thankful to the hon. Member for he question because I have already discussec this matter with the CMD of Marut Udyog so that some pictures are made available. *(Interruptions).*

श्रीमती सत्या बहिन : मैंने खुद ही तो आपके उद्योग को जाकर देखा है । न तो कहीं उनका नाम है, न चित्र है और न ही स्टेचू लगा हुआ है... (**व्यवधान**) मैं मांग करूंगी कि जल्दी ही उसे लगाने की कृपा करें ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Chairman, we protest against this because we do not want to si>eak on anybody who is dead. *(Interruptions).* Our protest must be recorded. *(Interruptions).*

DR. BAPU KALDATE: Except Mahatama Gandhi, all Gandhis are there. What is this? *(Interruptions).*

SHRI H. HANUMANTHAPPA: You protested against Maruti Udyog also. *(Interruptions).*

Satellite to prevent infltration of foreign broadcasting signals

*163. SHRI PRAMOD MAHAJAN: t
SHRI SHIV PRATAP MISHRA:

Will the Minister cf INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state;

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item captioned 'India's plan to exclude the world

tThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Pramod Mahajan.

not practicable' which appeared in the Times of India dated the 7th July, Bombay Edition;

(b) if so, whether it is a fact that Government have decided to launch a satellite to prevent infiltration of broadcast signals from foreign satellites; and

(c) if so, what are the details in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) The Government has seen the press report under reference.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, मुझे इस बात की खुशी है कि विदेशी उपग्रह से आने वाले प्रसार सिगनलों को रोकने की सरकार की कोई योजना नहीं है । और ज्ञान और मनोरंजन सभी दिशा से इस देश में आयें, उस पर किसी प्रकार की सरकार की अगर आपत्ति न हो, तो मुझे लगता है कि इस छोटी सी दुनिया के अच्छी चीज है । हम सभी जानते हैं कि खाड़ी युद्ध के बाद सी०एन०एन० की लोकप्रियता सारी दुनिया में बढ़ी है, भारत में बढ़ी है, पंच-सितारा होटलों में सी०एन०एन० लग चुका है, बड़ी इमारतों में आया है ।

एक माननीय सदस्य : मंत्रालयों में भी लगा है ।

श्री प्रमोद महाजन : मंत्रालय में, हर जगह जाना चाहिये । मुझे आपत्ति नहीं है ।

श्री सभापति : इस हाल को छोड़कर ।

डा० बापू कालदाते : आपकी इजाजत के बिना लग नहीं सकता, मगर बोला तो जा सकता है ।

श्री प्रमोद महाजन : जिस दिन आप उसको दूरदर्शन पर लायेंगे, उस दिन सी०एन०एन० पर पहले जाएगा और सी०एन०एन० में शायद बाद में आए । सी०एन०एन० का समाचार अधिक निष्पक्ष, ताजा और सारी दुनिया से आने वाला होने के कारण, जैसे लोग आज ए०आई० आर० से ज्यादा बी०बी०सी० पर भरोसा करते हैं, आने वाले दिनों में दूरदर्शन से सी०एन०एन० पर ज्यादा भरोसा करने की संभावनायें बढ़ सकती हैं और इस दिशा में, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि एक अर्थ से सी० एन०एन के द्वारा जो ज्ञान का आक्रमण हो रहा है और कुछ ऐजंसिया मनोरंजन के कार्यक्रम केवल भारत के लिए चला-येंगी, ऐसी स्थिति में इसका मुकाबला करते हुए दूरदर्शन का समाचार और मनोरंजन इनकी स्पर्धा में ठीक प्रकार से रहे, ऐसी कोई सोच या योजना सरकार के पास क्या है

SHRI AJIT KUMAR PANJA: Sir, **the** Government has declared the policy that not only Prasar Bharati will come into existence but private corporations will also be allowed to be floated within the parameters laid down by the law in competition with Prasar Bharati. That is the whole objective of bringing in private inertia... *{Interruptions)*...

SOME HON'BLE MEMBER: Inertia?

SHRI AJIT KUMAR PANJA:... private initiative as also private inertia have to be brought in. We have seen, Sir,... *(Interruptions)*... that so far as the art and artistic objective is concerned, when there is competition and when they are allowed to flower on their own, they produce artistic things which are liked by all because that is natural. That is why from the exposure of CNN and other agencies, our boys and girls and our officers, who are experts are getting new ideas for building up their own infraa-tructure. Therefore, when Prasar Bharati comes into being public corporations are there to compete with Prasar Bharti and give better performance.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, मेरे पहले उस प्रश्न का जवाब उन्होंने दिया ही नहीं, मैं इसका स्वागत करता हूं यहां कोई निजीकरण की ऐजंसियां चल रही हैं मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं है, मतलब हिन्दुस्तान में भी दूरदर्शन के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाले और दूर-

दर्शन के चैनल खोलें यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन मैंने वह पूछा नहीं था। अब जो पूछा नहीं और अच्छा बताएं, उसके लिए मुझे आपत्ति नहीं है। पूरक प्रश्न में मैंने यह पूछा था कि यह जो सी.एन.एन. के द्वारा ज्ञान और मनोरंजन पर आक्रमण होगा उसका दूरदर्शन कैसे जवाब देगा, क्योंकि वह दूरदर्शन को देखते हैं? जब प्राइवेट चैनल निकलेगा तो उसका मालिक देखेगा, यह कोई प्राइवेट चैनल को नहीं देखते हैं। यह दूरदर्शन को देखते हैं। मुझे पहले उसका जवाब दें ताकि मैं दूसरा प्रश्न पूछ सकूं ?

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : श्रीमन्, 165 सवाल इससे जुड़ा हुआ है।... (व्यवधान) 163 का जवाब दिया है। ... (व्यवधान) 165 सवाल जो हैं उसका जवाब नहीं दिया है। दोनों कामन हैं इसलिए उनको जोड़ दिया जाए।

श्री सभापति : प्रमोद महाजन ने इसका बोल दिया। ... (व्यवधान)

Mr. Mahajan you have got another supplementary.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : सप्लीमेंटरी नहीं, यह सवाल 165 जो अगला सवाल है, मेरा उसके साथ जोड़ दिया जाए।

श्री सभापति : जोड़ने का सवाल नहीं है। ... (व्यवधान) मैंने कह दिया कि जोड़ने का सवाल नहीं है।

SHRI AJIT KUMAR PANJA: Sir, the question which has been put by the hon'ble Member has now been mads clear by him. Sir, the Department of Telecommunications, shortly known as "DoT", has proposed to set up a satellite monitoring station at Jalna for the purpose of monitoring technical parameters of signal signs of various satellites to ensure that the conditions laid down by International Telecommunication Union (ITU) at the time of clearing frequency assignment to different countries, are observed by the satellites operating over India. Therefore, if there be anything which is treated as not good or invasion of our culture or our own tradition, then certainly those we will get monitored, which we cannot jam or we cannot **stop,** but counter programmes will be taken up by us so that people are informed properly.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, यह बड़ा आपत्तिजनक है कि मूल उत्तर और पूरक प्रश्न का उत्तर शतप्रतिशत विसंगत और परस्पर विरोधी है। मूल प्रश्न के उत्तर में आपने यह कहा था कि विदेशी प्रसारों के सिगनलों को रोकने की कोई योजना नहीं है. मैंने गलती से आपका स्वागत किया और आप अब यह कह रहे हैं कि जालना में जो केन्द्र है वह विदेशों से जो प्रसारण आयेंगे उनको मोनिटर करेगा। मोनिटर का मतलब तो इससे और सेंसरशिप क्या हो सकती है? इसमें से सच उत्तर क्या है, क्या प्रसारण को रोकने वाले हैं, तो वैसा जवाब दीजिये ?

श्री सभापति : मोनिटरिंग और रोकने में अन्तर होता है।... (व्यवधान)

There is a difference between monitoring and stopping.

श्री प्रमोद महाजन : जिसमें उन्होंने कहा है जो भारतीय संस्कृति के अनुसार है यह भारतीय संस्कृति के अनुसार उसको आगे जाने देंगे, मैं दूसरा प्रश्न इसमें यह पूछना चाहूंगा, खैर वह प्रयास करें, क्योंकि उन्होंने भले ही इस खबर को... (व्यवधान)

श्री सभापति : ज्ञान बता रखें तो अच्छी बात है।

श्री प्रमोद महाजन : भले उन्होंने इस उत्तर में न कहा हो, लेकिन अखबार में जो भी सच्चाई हो उसको रोकने का विज्ञान में कोई तकनीक नहीं है जिसको हिन्दुस्तान इसको रोक पायेगा। और इसलिये कोशिश तो खैर बेकार है।

श्री सभापति : उन्होंने यह कहा कि वह रोकने की कोशिश करेंगे। वह पता लगा रहे हैं... (व्यवधान)...

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष जी, पता लगाने के लिये एक सी०एन०एन० का जुड़ा हुआ दूरदर्शन का सेट काफी है । उसके लिये जालना में कोई बड़ा स्टेशन खड़ा करने की जरूरत नहीं है । यदि पता लगाना है तो पता तो दूरदर्शन पर देखकर लगाना है । उसके लिये जालना में कोई बड़ा सेंटर खड़ा करने की क्या जरूरत है ?

MR. CHAIRMAN: They want to monitor whatever is coming from any country. That is why rhey have set up that. That is not for CNN alone. It is for any other country. You have got many friendly countries around. He must know what the friendly countries are doing. You have got a number of friendly countries around.

श्री प्रमोद महाजन : जिसको रोक नहीं सकते, उसको मानीटर करके क्या करेंगे ? अध्यक्ष जी, मैं दूसरा पूरक प्रश्न यह पूछना चाहूंगा कि क्या दूरदर्शन का सी०एन०एन० के साथ कोई समझौता है जिसके अन्तर्गत सी०एन०एन० की खबरें दूरदर्शन कभी-कभार उठा लेता है ? यह पार्ट "ए" है । इसके लिये क्या आपका उनके साथ कोई समझौता है और दूसरे आज पंचसितारा होटलों से लेकर वहां तक सी०एन०एन० लग चुका है । इस पर सी०एन०एन० की शिकायत है कि इनमें से कोई एक नया पैसा नहीं दे रहा है । तो सी०एन०एन के उपयोग के संबंध में कानूनी स्थिति क्या है

SHRI AJIT KUMAR PANJA: We have not yet entered into any agreement.

MR. CHAIRMAN: Has not CNN-sent any complaint to you. to the Government?

SHRI AJIT KUMAR PANJA: No, Sir *they* haye only raised certain questions not a complaint... *(Interruptions)*

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY; How is CNN operating in the country without permission?

SHRI AJIT KUMAR PANJA: Sir, I have to answer one Member, not all Members at a time.

In regard to the question that was raised by Mr. Mahajan I want to tell him that at Geneva there is a specialised agency under the United Nations which keeps control of this. Just as we have the rule of road when we are driving a car, with the development of technology, the rule of space has to be formulated. Like the Jalna project the UK has already set up its project at Baldock which is 100 kms from London, Germany has already set up a project at Leettein which is 150 kms from Frankfurt. It is necessary for us to set up the Jalna project because when we go to participate in the international meeting...

SHRI AJIT KUMAR PANJA: It is 30 kms from Aurangabad...

AN HON. MEMBER: 65.

SHRI AJIT KUMAR PANJA; If yon go by train or car, I don't know.

Therefore, it is necessary for us to set up the Jalna project so that we get to know what is happening. We have to discuss it in the United Nations forum which is at Geneva. If there be any difficulty, we have to seek protection at that international forum. External vigilance is the price of liberty not only geographically but also culturally. That is why these steps are being taken.

SHRI SHIV PRATAP MISHRA: My friend Bekal Utsahi has used in putting his question the word *khoob surat,* that is, beauty. Beauty is needed in our TV programmes. As Kalidgs put it—Without beauty there is no temptation. So what steps is our Government taking to make our TV programmes more interesting, more tempting and more informative, so that our people can go deep and grasp their quality and compare them with the programmes of other countries?

SHRI AJIT KUMAR PANJA: So far as the temptation point is concerned, I will take a special note from the honourable Member. But as we know, the prayer is—"Lead us not info temptation, but deliver us from evil. " I can also say that our news has to become more and more newsworthy and the programmes have to be gradually better and

better. When the Prasar Bharati comes into being, these are to be examined within four comers of the Act.

SHRI RAJ MOHAN GANDHI: Will the Minister not examine the possibility of another public corporation to compete with the Prasar Bharati instead of giving another channel to a private corporation?

SHRI AJIT KUMAR PANJA: I will make it clear. In our manifesto we made a mention of public corporation and not private corporation... *(Interruptions)...*

SHRI RAJ MOHAN GANDHI: But in your answer today you said, "private corporation"... *(Interruptions)...*

SHRI AJIT KUMAR PANJA: Why I said so is because the public corporation which is being thought of and envisaged in our manifesto is not a public corporation like a statutory corporation or like the Damodar Valley Corporation. It may be a limited company floated by shares. Unless this is done the free flow of information cannot be achieved... *(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Question Hour is ever.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Establishment of Small Scale Industries in Assam

*164. DR. NAjQEN SAIKIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what is the number of permits issued by fhe Government of India for establishment of small scale industries in Assam in 1989-90; and

(b) what amount has been released in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. J. KURIEN): (a) Government of India do not issue permits for establishment of small scale industries.

(b) Doe9 not arise.

Privatisation of T. V. and Radio network

*165. PROF. SOURENDRA £HATTACHARJEE:
SHRI, JAGDISH PRASAD MATHUR:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING /be pleased to state:

(a) whether Government propose to allow private operators to utilise an ad ditional channel in the existing T. V. and Radio networks;

(b) if so. under what conditions such facility would be provided and the Tea-sons therefor; and

(c) what steps are being taken to make the media autonomous?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING |KUMARI GIRIJA VYAS): (a) to (c) The Government is committed to offer to public corporations whion conform to parameters to be laid down by law. broadcasting and telecasting rights and to allow them to complete with Prasar Bharati. However, it is not possible *to* spell out the details at this stage as the modalitiels for achieving this objective require extensive study before these are firmed np.

Rolling back the prices of edible oils

166. SHRIMATI MIRA DAS:
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government hav$_e$ worked out the scheme to roll back the prices of edible oils to July, 1990 level; if so, what are details thereof.

(b) what are prices of edible oils in July, 1990 and its current prices; and

(c) whether Government propose to give subsidy for this commodity; if not